Dimensions of Business Environment Economics, Technological, Socio-cultural, Political, Legal-Regulatory and market Conditions

By
Santosh Kumar Lal
Dept of Commerce
Sariya College, Suriya

Meaning of Business Environment

The business environment refers to the totality of external forces, factors, institutions, conditions, and events that influence the functioning, decisions, performance, and growth of a business enterprise. These forces are generally outside the direct control of the business, but a business must continuously monitor and respond to them.

Business environment includes economic, technological, socio-cultural, political, legal-regulatory, and market conditions.

A business does not operate in isolation. Its success depends not only on its internal resources and capabilities but also on changes taking place in the surrounding environment.

व्यवसायिक पर्यावरण का अर्थ

व्यावसायिक पर्यावरण (Business Environment) से आशय उन सभी बाहरी शक्तियों, परिस्थितियों, संस्थाओं, घटनाओं एवं कारकों के समुच्चय से है, जो किसी व्यवसाय के कार्य, निर्णय, प्रदर्शन एवं विकास को प्रभावित करते हैं। सामान्यतः इन बाहरी शक्तियों पर व्यवसाय का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं होता, इसलिए व्यवसाय को इनके अनुसार स्वयं को निरंतर अनुकूलित करना पड़ता है।

व्यावसायिक पर्यावरण में मुख्य रूप से आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनीतिक, कानूनी-विनियामक तथा बाजार संबंधी परिस्थितियाँ शामिल होती हैं।

कोई भी व्यवसाय अकेले या अलग-थलग होकर कार्य नहीं करता। उसकी सफलता आंतरिक संसाधनों के साथ-साथ बाहरी पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों पर भी निर्भर करती है।

Dimensions of Business Environment

- Economic Environment – आर्थिक पर्यावरण
- Technological Environment – तकनीकी पर्यावरण
- Socio-cultural Environment – सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण
- Political Environment – राजनीतिक पर्यावरण
- Legal-Regulatory Environment – कानूनी एवं विनियामक पर्यावरण
- Market Conditions – बाजार की परिस्थितियाँ

Economic Environment

he economic environment consists of all economic factors and conditions that affect business activities, profitability, investment, production, consumption, and purchasing power.

Important elements include:

- National income and economic growth
- Inflation and deflation
- Interest rates
- Employment and unemployment
- Consumer purchasing power
- Savings and investment
- Fiscal policy
- Monetary policy
- Taxation
- Exchange rates
- Availability of credit
- Business cycles
- Industrial development

For example, when inflation rises significantly, the cost of raw materials, transportation, wages, and other inputs may increase. This can reduce profit margins and force businesses to revise prices.

Similarly, lower interest rates can make borrowing cheaper and encourage businesses to invest in expansion.

आर्थिक पर्यावरण

आर्थिक पर्यावरण से आशय उन सभी आर्थिक कारकों एवं परिस्थितियों से है, जो व्यवसाय की उत्पादन, लागत, बिक्री, लाभ, निवेश तथा उपभोक्ताओं की क्रय-शक्ति को प्रभावित करते हैं।

इसके प्रमुख तत्व हैं:

- राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक विकास
- मुद्रास्फीति एवं अपस्फीति
- ब्याज दर
- रोजगार एवं बेरोजगारी
- उपभोक्ताओं की क्रय-शक्ति
- बचत एवं निवेश
- राजकोषीय नीति
- मौद्रिक नीति
- कर व्यवस्था
- विनिमय दर
- ऋण की उपलब्धता
- व्यापार चक्र
- औद्योगिक विकास

उदाहरण: यदि मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो कच्चे माल, परिवहन, मजदूरी तथा अन्य उत्पादन लागतों में वृद्धि हो सकती है। इससे व्यवसाय के लाभ में कमी आ सकती है और उसे अपने उत्पादों की कीमत बढ़ानी पड़ सकती है।

इसी प्रकार, ब्याज दर कम होने पर ऋण लेना सस्ता हो सकता है और व्यवसाय विस्तार के लिए अधिक निवेश कर सकते हैं।

Subjective point / व्यक्तिपरक टिप्पणी

Economic conditions determine the purchasing capacity of consumers and the cost structure of firms; therefore, they have a direct influence on business profitability.

आर्थिक परिस्थितियाँ उपभोक्ताओं की क्रय-शक्ति तथा व्यवसाय की लागत संरचना को प्रभावित करती हैं; इसलिए इनका व्यवसाय की लाभप्रदता पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

Technological Environment

The technological environment refers to developments in science, technology, innovation, production methods, communication, information systems, and digital tools that influence business operations.

Important components include:

- Automation
- Artificial intelligence
- Digitalisation
- E-commerce
- Internet and mobile technology
- Robotics
- Cloud computing
- Data analytics
- New production techniques
- Research and development
- Digital payment systems

Technology can increase productivity, reduce costs, improve quality, create new products, and provide better customer service.

However, technological change can also create challenges. Old products and production methods may become obsolete, requiring businesses to invest continuously in innovation.

तकनीकी पर्यावरण

तकनीकी पर्यावरण से आशय विज्ञान, तकनीक, नवाचार, उत्पादन विधियों, संचार प्रणालियों, सूचना प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल साधनों में होने वाले विकास से है, जो व्यवसाय की कार्यप्रणाली को प्रभावित करते हैं।

इसके प्रमुख तत्व हैं:

स्वचालन (Automation)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

डिजिटलीकरण

ई-कॉमर्स

इंटरनेट एवं मोबाइल तकनीक

रोबोटिक्स

क्लाउड कंप्यूटिंग

डेटा एनालिटिक्स

नई उत्पादन तकनीकें

अनुसंधान एवं विकास

डिजिटल भुगतान प्रणाली

तकनीकी विकास से उत्पादकता बढ़ सकती है, लागत कम हो सकती है, उत्पाद की गुणवत्ता सुधर सकती है और ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ दी जा सकती हैं।

लेकिन तकनीकी परिवर्तन चुनौती भी उत्पन्न करते हैं। पुरानी तकनीक, उत्पाद या उत्पादन विधियाँ अप्रचलित हो सकती हैं। इसलिए व्यवसायों को लगातार नई तकनीक अपनानी पड़ती है।

Example :The growth of online shopping has changed the way retailers interact with customers

ऑनलाइन खरीदारी के विकास ने खुदरा व्यवसायों के ग्राहकों तक पहुँचने और बिक्री करने के तरीके को बदल दिया है।

Socio-cultural Environment

The socio-cultural environment includes the values, beliefs, customs, traditions, lifestyles, attitudes, education, demographic characteristics, and social behaviour of people in society.

Major factors include:

- Population size and growth
- Age structure
- Education level
- Family structure
- Religion and traditions
- Customs and social values
- Lifestyle changes
- Consumer attitudes
- Gender roles
- Urbanisation
- Health and environmental awareness

Consumer preferences are strongly influenced by social and cultural factors. A product successful in one society may not necessarily be successful in another because consumer habits and cultural preferences may differ.

For example, increasing health consciousness may create demand for healthier food products, fitness services, and wellness-related products.

सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण

सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण में समाज के लोगों के मूल्य, विश्वास, परंपराएँ, रीति-रिवाज, जीवन-शैली, दृष्टिकोण, शिक्षा, जनसांख्यिकीय विशेषताएँ तथा सामाजिक व्यवहार शामिल होते हैं।

इसके प्रमुख तत्व हैं:

- जनसंख्या का आकार एवं वृद्धि
- आयु संरचना
- शिक्षा का स्तर
- परिवार की संरचना
- धर्म एवं परंपराएँ
- रीति-रिवाज एवं सामाजिक मूल्य
- जीवन-शैली में परिवर्तन
- उपभोक्ता दृष्टिकोण
- लैंगिक भूमिकाएँ
- शहरीकरण
- स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता

उपभोक्ताओं की पसंद सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों से बहुत अधिक प्रभावित होती है। एक देश या समाज में सफल उत्पाद दूसरे समाज में सफल हो, यह आवश्यक नहीं है।

उदाहरण: स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता से हेल्दी फूड, फिटनेस सेवाओं तथा वेलनेस उत्पादों की मांग बढ़ सकती है।

Subjective point / व्यक्तिपरक टिप्पणी

A successful business must understand not only what consumers can buy but also what they are willing and culturally comfortable to buy.

सफल व्यवसाय को केवल यह नहीं समझना चाहिए कि ग्राहक क्या खरीद सकते हैं, बल्कि यह भी समझना चाहिए कि वे सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से क्या खरीदना पसंद करते हैं।

Political Environment

The political environment consists of government policies, political stability, ideology, relationships between government and business, public administration, and the overall political situation of a country.

Important elements include:

- Political stability
- Government policies
- Government attitude toward business
- Industrial policy
- Trade policy
- Tax policy
- Foreign investment policy
- Public expenditure
- International relations
- Government priorities

Political stability generally provides a favourable environment for long-term investment because businesses can make decisions with greater confidence.

Political uncertainty, frequent policy changes, conflicts, or instability can increase business risk.

राजनीतिक पर्यावरण

राजनीतिक पर्यावरण से आशय सरकार की नीतियों, राजनीतिक स्थिरता, राजनीतिक विचारधारा, सरकार एवं व्यवसाय के संबंध तथा देश की समग्र राजनीतिक परिस्थितियों से है।

इसके प्रमुख तत्व हैं:

- राजनीतिक स्थिरता
- सरकारी नीतियाँ
- व्यवसाय के प्रति सरकार का दृष्टिकोण
- औद्योगिक नीति
- व्यापार नीति
- कर नीति
- विदेशी निवेश नीति
- सरकारी व्यय
- अंतरराष्ट्रीय संबंध
- सरकार की प्राथमिकताएँ
- राजनीतिक स्थिरता व्यवसायों के लिए दीर्घकालीन निवेश को अधिक सुरक्षित एवं अनुमानित बना सकती है।
- इसके विपरीत राजनीतिक अस्थिरता, बार-बार नीतियों में परिवर्तन तथा राजनीतिक संघर्ष व्यवसायिक जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

Legal-Regulatory Environment

The legal-regulatory environment consists of laws, rules, regulations, standards, court decisions, regulatory institutions, and government requirements that businesses must follow.

It includes areas such as:

- Company law
- Labour laws
- Consumer protection
- Tax laws
- Competition regulations
- Environmental regulations
- Intellectual property rights
- Product safety standards
- Data and privacy requirements
- Industry-specific regulations

Legal regulations establish the framework within which businesses operate. They protect consumers, employees, investors, competitors, and the environment.

Failure to comply with applicable laws can result in penalties, litigation, loss of reputation, or restrictions on business operations.

कानूनी एवं विनियामक पर्यावरण

कानूनी एवं विनियामक पर्यावरण में वे सभी कानून, नियम, विनियम, मानक, न्यायिक निर्णय तथा सरकारी/नियामक आवश्यकताएँ शामिल होती हैं, जिनका पालन व्यवसायों के लिए आवश्यक होता है।

इसके अंतर्गत प्रमुख रूप से आते हैं:

- कंपनी कानून
- श्रम कानून
- उपभोक्ता संरक्षण कानून
- कर कानून
- प्रतिस्पर्धा संबंधी नियम
- पर्यावरण संबंधी नियम
- बौद्धिक संपदा अधिकार
- उत्पाद सुरक्षा मानक
- डेटा एवं गोपनीयता संबंधी आवश्यकताएँ
- उद्योग-विशिष्ट नियम

कानून व्यवसाय के संचालन के लिए आवश्यक ढाँचा प्रदान करते हैं तथा उपभोक्ताओं, कर्मचारियों, निवेशकों, प्रतिस्पर्धियों और पर्यावरण की रक्षा करते हैं।

कानूनों का पालन न करने पर जुर्माना, कानूनी कार्रवाई, प्रतिष्ठा की हानि तथा व्यवसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

Subjective point / व्यक्तिपरक टिप्पणी

Laws are not merely restrictions on business; they also create certainty, fairness, accountability, and confidence in the marketplace.

कानून केवल व्यवसाय पर प्रतिबंध लगाने का साधन नहीं हैं, बल्कि वे बाजार में निश्चितता, निष्पक्षता, उत्तरदायित्व तथा विश्वास भी स्थापित करते हैं।

Market Conditions

Market conditions refer to the prevailing circumstances in the market that influence demand, supply, competition, prices, sales, and profitability.

Major factors include:

- Size of the market
- Market growth
- Demand and supply
- Consumer preferences
- Number and strength of competitors
- Price levels
- Market segmentation
- Distribution channels
- Availability of substitutes
- Entry of new competitors
- Bargaining power of buyers and suppliers

A business must continuously study market conditions because customer needs and competitive situations change over time.

For example, intense competition may force firms to improve product quality, reduce costs, offer discounts, or introduce innovative products.

बाजार की परिस्थितियों

बाजार की परिस्थितियों से आशय उन परिस्थितियों से है जो किसी बाजार में मांग, आपूर्ति, प्रतिस्पर्धा, कीमत, बिक्री तथा लाभ को प्रभावित करती हैं।

इसके प्रमुख तत्व हैं:

- बाजार का आकार
- बाजार की वृद्धि
- मांग एवं आपूर्ति
- उपभोक्ताओं की पसंद
- प्रतिस्पर्धियों की संख्या एवं शक्ति
- कीमतों का स्तर
- बाजार विभाजन
- वितरण माध्यम
- स्थानापन्न उत्पादों की उपलब्धता
- नए प्रतिस्पर्धियों का प्रवेश
- खरीदार एवं आपूर्तिकर्ताओं की सौदेबाजी शक्ति

व्यवसाय को बाजार की परिस्थितियों का लगातार अध्ययन करना चाहिए क्योंकि ग्राहकों की आवश्यकताएँ और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति समय के साथ बदलती रहती हैं।

उदाहरण: अत्यधिक प्रतिस्पर्धा होने पर कंपनियों को उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने, लागत घटाने, छूट देने या नए उत्पाद विकसित करने की आवश्यकता हो सकती है।